चतुर्थ अध्याय

प्रदत्त विश्लेषण, परिणाम एवं व्याख्या

चतुर्थ अध्याय
प्रदत्त विश्लेषण, परिणाम एवं व्याख्या

प्रदत्त विश्लेषण

प्रस्तुत अध्याय में प्रदत्तों के विश्लेषण के लिए उपयोग में लाई गई सांख्यिकी विधियों की व्याख्या की गई है। तथा परिकल्पनाओं का परीक्षण किया गया है।

परिकल्पना :-1

"स्वाध्याय कार्य (आध्यात्मिक प्रवृत्ति) एवं बिन स्वाध्यायकार्य (बिन आध्यात्मिक प्रवृत्ति) वाले कक्षा सात के बच्चों के व्यक्तित्व कारकों के अध्ययन में सार्थक अन्तर नहीं है।"

परिकल्पना को स्वीकृत या अस्वीकृत करने के लिये 'टी' मूल्य ज्ञात किया गया जो कि तालिका क्रमांक 4.1 में प्रस्तुत है।

तालिका 4:1:- स्वाध्यायकार्य (आध्यात्मिक प्रवृत्ति) एवं बिन स्वाध्यायकार्य (बिन आध्यात्मिक प्रवृत्ति) वाले विद्यार्थियों का व्यक्तित्व कारकों सम्बंधित प्रदत्त ।

क्र.	पी. एफ.	निम्न अंक	उच्च आंक	विभाग	मध्यमान	मानक विचलन	संख्या	मुक्तांश	टी	प्राप परिण
1.	A	गाम्भीर्य	बेधड़क	स्वाध्यायी	10.91	2.22	100	198	1.962	.05
				बिन स्वाध्यायी	10.28	2.33	100			
2.	B	बौद्धिक हिनता	बौद्धिक उच्चत्व	स्वाध्यायी	7.54	2.13	100	198	1.178	.24
				बिन स्वाध्यायी	7.19	2.03	100			

3.	C	सवेगात्मक अस्थिरता	संवेगात्मक स्थिरता	स्वाध्यायी	10.37	2.72	100	198	.466	.64
				बिन स्वाध्यायी	10.20	2.62	100			
4.	D	भावशून्य	उत्तेजित	स्वाध्यायी	7.56	2.50	100	198	.539	.59
				बिन स्वाध्यायी	7.37	2.46	100			
5.	E	विनम्र	उत्साही	स्वाध्यायी	7.42	2.61	100	198	1.544	.12
				बिन स्वाध्यायी	6.89	2.27	100			
6.	F	संयमी	आवेगपूर्ण	स्वाध्यायी	8.44	2.84	100	198	.390	.69
				बिन स्वाध्यायी	8.30	2.51	100			
7.	G	निजहित साधक	कर्तव्यनिष्ठ	स्वाध्यायी	10.47	2.74	100	198	1.787	.07
				बिन स्वाध्यायी	9.84	2.25	100			
8.	H	संकोची	साहसी	स्वाध्यायी	9.95	3.00	100	198	.609	.54
				बिन स्वाध्यायी	9.71	2.47	100			
9.	I	दृढ़ता	संवेदनशील	स्वाध्यायी	9.83	2.42	100	198	1.322	.18
				बिनस्वाध्यायी	9.36	2.62	100			
				स्वाध्यायी	9.84	15.32	100			

10.		उत्साही	सतर्क	बिन स्वाध्यायी	8.13	2.81	100	198	1.103	.2'
11	N	निस्कपह	समझदार	स्वाध्यायी	9.10	10.63	100	198	.830	.40
				बिन स्वाध्यायी	8.20	2.54	100			
12.	O	शान्तप्रिय	आशंका युक्त	स्वाध्यायी	7.79	3.08	100	198	1.255	.21
				बिन स्वाध्यायी	7.29	3.14	100			
13.	Q3	असंयमित	संयमित	स्वाध्यायी	9.61	2.54	100	198	.590	.55
				बिन स्वाध्यायी	9.35	3.08	100			
14.	Q4	आनन्दमय	तनावपूर्ण	स्वाध्यायी	8.55	3.00	100	198	.278	.78
				बिन स्वाध्यायी	3.09	3.09				

स्वाध्यायकार्य (आध्यात्मिक प्रवृत्ति) एवं बिन स्वाध्यायकार्य (बिन आध्यात्मिक प्रवृत्ति) वाले विद्यार्थीयों के व्यक्तितत्व कारकों का अध्ययन का विवरण निम्नानुसार है।

- व्यक्तित्वकारक 'ए' (गाम्भीर्य/बेधडक) का स्टेन आंक 3 (निम्न) है। उसका गणनात्मक 'टी' मूल्य 1.962 है, जो 0.05 स्तर पर सार्थक अन्तर पाया गया है।
- व्यक्तित्वकारक 'बी' (बौद्धिक हिनता/ बौद्धिक उच्चत्व) का स्टेन आंक 4 (निम्न) है। उसका गणनात्मक 'टी' मूल्य1.178 है, जो 0.05 स्तर पर

- व्यकित्वकारक 'सी' (संवेगात्मक स्थिरता/संवेगात्मक अस्थिरता) का स्टेन आंक 4 (निम्न) है। उसका गणनात्मक 'टी' मूल्य 466 है, जो 0.05 स्तर पर सार्थक अन्तर पाया गया नहीं है।

- व्यक्तित्व कारक 'डी' (भावशून्य/ उत्तेजित) का स्टेन आंक 5 (औसत) है। उसका गणनात्मक 'टी' मूल्य .539 है, जो 0.05 स्तर पर सार्थक अन्तर नहीं है।

- व्यक्तित्व कारक 'ई' (विनम्र/उत्साही) का स्टेन आंक 5 (औसत) है। उसका गणनात्मक 'टी' मूल्य 1.544 है, जो 0.05 स्तर पर साथ्रक अन्तर नहीं है।

- व्यक्तित्व कारक 'एफ' (संयमी /आवगेपूर्ण) का स्टेन आंक 4 (निम्न) है। उसका गणनात्मक 'टी' मूल्य 340 है। जो 0.05 स्तर पर सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

- व्यक्तित्व कारक 'जी' (निजहित साधक/कर्तव्यनिष्ठ) का स्टेन आंक 3 (निम्न) है। उसका गणनात्मक 'टी' मूल्य1.787 है जो 0.05 स्तर पर सार्थक अन्तर नहीं है।

- व्यक्तित्व कारक 'एच' (संकोची/साहसी) का स्टेन आंक 3 (निम्न) है। उसका गणनात्मक 'टी' मूल्य .609 है, जो 0.05 स्तर पर सार्थक अन्तर नहीं पाया गया

- व्यक्तित्व कारक 'आई' (दृढता/संवेदनशील) का स्टेन आंक 6 (औसत) है। उसका गणनात्मक 'टी' मूल्य 1.322 है, जो 0.05 स्तर पर सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

- व्यक्तित्व कारक 'जे' (उत्साही/सतर्क) का स्टेन आंक 6 और 5 (औसत) है। उसका गणनात्मक 'टी' मूल्य1.103 है, जो 0.05 स्तर पर सार्थक अन्तर पाया नहीं गया।

- व्यक्तित्व कारक 'एन' (निष्कपट/समझदार) का स्टेन आंक 6 (औसत) है। उसका गणनात्मक'टी'मूल्य830 है,जो0.05स्तर पर सार्थक अन्तर नहीं है।

- व्यक्तित्व कारक 'ओ' (शान्तप्रिय/आशंकयुक्त) को स्टेन आंक 6 (औसत) है। उसका गणनात्मक 'टी' मूल्य .255 है, जो 0.05 स्तर पर सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

- व्यक्तित्व कारक क्यू-3 (असंयमित/संयमित) का स्टेन स्कोर 3 (निम्न) है। उस का गणनात्मक 'टी' मूल्य .590 है, जो 0.05 स्तर पर सार्थक अन्तर पाया नही गया।

- व्यक्तित्व कारक क्यू-4 (आनन्दमय/तनावपूर्ण) का स्टेन आंक 6 (औसत) है। उसका गणनात्मक 'टी' मूल्य .278 है, जो 0.05 स्तर पर सार्थक अन्तर नहीं है।

निष्कर्ष :-

स्वाध्यायकार्य (आध्यात्मिक प्रवृत्ति) एवं बिन स्वाध्यायकार्य (बिन आध्यात्मिक प्रवृत्ति) वाले विद्यार्थीयों के व्यक्तित्व कारकों के अध्ययन में इस प्रकार निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि, व्यक्तित्व कारक 'ए' (गाम्भीय/बेधड़क) में स्वाध्यायकार्य वाले और बिन स्वाध्यायकार्य वाले विधार्थीयो में सार्थक अन्तर पाया गया है। स्वाध्यायकार्य वाले विद्यार्थियों से बिन स्वाध्याय कार्य वाले विद्यार्थियों का निम्न अंक पाया गया है। इसलिए स्वाध्यायकार्य वाले विद्यार्थियों में 'गाम्भीर्य' गुण का प्रभाव ज्यादा पाया गया है। और बाकी कारको जैसे- 'बी' (बौद्धिक हिनता/बौद्धिक उच्चत्व) 'सी' (संवेगात्मक अस्थिरता/ संवेगात्मक स्थिरता) 'डी' भावशून्य/उत्तेजित) 'ई' (विनम्र/उत्साही) 'एफ' (संयमी/आवेगणपूर्ण) 'जी' (निजहित साधक/कर्तव्यनिष्ठ) 'एच' (संकोची/साहसी) 'आई' (दृढ़ता/संवेदनशील) 'जे' (उत्साही/सतर्क) 'एन' (निष्कपट/समझदार) 'ओ' (शान्तप्रिय/आशंकायुक्त) क्यू-3 (असयमित/संयमित)क्यू-4 (आनन्दमय/तनावपूर्ण) में स्वाध्यायकार्य वाले एवं बिन स्वाध्यायकार्य वाले विद्यार्थियों के बीच सार्थक अन्तर नहीं पाया गया। दोनों समूह

के विद्यार्थियों ने समान अंक प्राप्त किये हैं। इसलिए इस परिकल्पना को अस्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना :– 2

"स्वाध्यायकार्य (आध्यात्मिक प्रवृत्ति) एवं बिन स्वाध्यायकार्य (बिन आध्यात्मिक प्रवृत्ति) वाले कक्षा .सात के बच्चों की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर नहीं है।"

तालिका 4.2 – स्वाध्यायकार्य (आध्यात्मिक प्रवृत्ति) एवं बिन स्वाध्यायकार्य (बिन आध्यात्मिक प्रवृत्ति) वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि संबंधित प्रदत्त।

	विभाग	मध्यमान	मानक विचलन	संख्या	मुक्तांश	टी	प्राप्त परिणाम	महत्व
शैक्षिक उपलब्धि	स्वाध्यायी	599.62	140.78	100	198	2.391	.18	0.05
शैक्षिक उपलब्धि	बिन स्वाध्यायी	554.78	124.09	100				

इस तालिका से स्पष्ट है कि न्यादर्श में सम्मिलित स्वाध्यायकार्य (आध्यात्मिक प्रवृत्ति एवं बिन स्वाध्यायकार्य (बिन आध्यात्मिक प्रवृत्ति) वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का गणनात्मक 'टी' मूल्य2.391 है। जो 0.05 स्तर पर सार्थक अन्तर पाया गया है।

निष्कर्ष :– उपरोक्त तालिका से ये पता चलता है कि स्वाध्यायकार्य (आध्यात्मिक प्रवृत्ति) एवं बिन स्वाध्यायकार्य (बिन आध्यात्मिक, प्रवृत्ति) वाले बच्चों की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर पाया गया है। दोनों समुह के विद्यार्थियों के प्राप्त अंको से ये ज्ञात होता है कि बिन स्वाध्यायकार्य (बिन आध्यात्मिक प्रवृत्ति) वाले विद्यार्थियों से स्वाध्यायकार्य (आध्यात्मिक प्रवृत्ति) वाले विद्यार्थियों ने ज्यादा अंक पाये है। उससे यह स्पष्ट होता है कि स्वाध्यायकार्य

(आध्यात्मिक प्रवृत्ति) वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि बिन स्वाध्यायकार्य (बिन आध्यात्मिक प्रवृत्ति) वाले विद्यार्थियों से ज्यादा है। अतः इस परिकल्पना को अस्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना :- 3

''स्वाध्यायकार्य (आध्यात्मिक प्रवृत्ति) एवं बिन स्वाध्यायकार्य (बिन आध्यात्मिक प्रवृत्ति) वाले कक्षा सात के विद्यार्थियों के समायोजन में सार्थक अन्तर नहीं है।''

तालिका 4:3 – स्वाध्यायकार्य (आध्यात्मिक प्रवृत्ति) एवं बिन स्वाध्यायकार्य (बिन आध्यात्मिक प्रवृत्ति) वाले विद्यार्थियों का समायोजन सम्बंधित प्रदत्त।

	विभाग	मध्यमान	मानंक विचलन	संख्या	मुक्तांश	टी	प्राप्त परिणाम
स्व समायोजन	स्वाध्यायी	25:14	4.56	100	198	6.161	.000
स्व समायोजन	बिन स्वाध्यायी	21.29	4.29	100			
समूह समायोजन	स्वाध्यायी	2.729	4.34	100	198	3.364	.001
	बिन स्वाध्यायी	25.31	4.43	100			
कुल समायोजन	स्वाध्यायी	252.47	7.01	100	198	6.260	.000
कुल समायोजन	बिन स्वाध्यायी	46.21	7.15	100			

इस तालिका से स्पष्ट है कि न्यादर्श में सम्मिलित स्वाध्यायकार्य (आध्यात्मिक प्रवृत्ति) एवं बिन स्वाध्यायकार्य (बिन आध्यात्मिक प्रवृत्ति) वाले विद्यार्थियों का स्व समायोजन का गणनात्मक 'टी' मूल्य 6.161 है, जो 0.05 स्तर पर सार्थक अन्तर पाया गया है। इसी प्रकार समुह समायोजन का गणनात्मक 'टी' मूल्य 3.364 है, जो 0.05 स्तर पर सार्थक अन्तर पाया गया है। इसी प्रकार कुल समायोजन का गणनात्मक 'टी' मूल्य 6.260 है,जो0.05 स्तर पर सार्थक अन्तर पाया गया है।

निष्कर्ष :– स्वाध्यायकार्य (आध्यात्मिक प्रवृत्ति) एवं बिन स्वाध्यायकार्य (बिन आध्यात्मिक प्रवृत्ति) वाले विद्यार्थियो ंके समायोजन में सार्थक अन्तर पाया गया है। दोनों समुह के विद्यार्थियों के प्राप्त प्रदत्त से ये ज्ञात हुआ है कि बिन स्वाध्यायकार्य (बिन आध्यात्मिक प्रवृत्ति) वाले विद्यार्थियों से स्वाध्यायकार्य (आध्यात्मिक प्रवृत्ति) वाले विद्यार्थियों में स्वसमायोजन, समुह समायोजन एवं कुल समायोजन ज्यादा पाया गया है। अतः इस परिकल्पना को अस्वीकृत की जाती है।